केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 52 बुधवार 10 सितम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सीपी राधाकृष्णन होंगे देश के 15वें उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (आभा)। एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन देश के नए उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। मंगलवार को हुए मतदान में सीपी राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उपराष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा, मैं नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन को उनके कार्यकाल की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 98 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। शाम पांच बजे मतदान समाप्त होने के एक घंटे बाद छह बजे मतगणना प्रारंभ हुई। मतगणना समाप्त होने के बाद देर शाम नतीजे घोषित किए गए। जिसमें एनडीए उम्मीदवार को कुल 452 वोट मिले। जबकि विपक्ष के उम्मीदवार को 300 वोट मिले। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 वोट डाले गए। जिनमें से 752 वैध और 15 अवैध थे।

कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार के पक्ष में 315 सांसदों के मतदान का दावा किया था। वहीं बीआरएस और बीजेडी ने चुनाव में भाग नहीं लिया, जबकि राज्यसभा में बीआरएस के चार और बीजेडी के सात सांसद हैं। वहीं अकाली दल के सांसद ने बाढ़ के चलते मतदान में हिस्सा लेने से मना कर दिया था।

विद्यालय निर्माण के लिये विधायक अजय सिंह ने दिया 11 लाख

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सरस्वती विद्या मंदिर बसहवा के नव निर्माण में विधायक सबसे बड़े दानदाता के रूप में सामने आए हैं। उन्होने स्कूल के निर्माण के लिए 11 लाख रुपए का अनुदान दिया है।

विधायक अजय सिंह ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह संस्था विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ राष्ट्र निर्माण और चरित्र निर्माण में भी सहयोग कर रही है।

धरना दे रहे बहुजन और पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नेता हिरासत में

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शास्त्री चौक पर बहुजन मुक्ति मोर्चा और पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नेताओं ने धरना–प्रदर्शन किया। लालगंज थाना क्षेत्र में मासूम बच्ची के साथ हुई घटना में आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय की मांग की गई।

बहुजन मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर. के. आरतियन, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के ह्रदय गौतम और बुद्धेश राणा धरने का नेतृत्व कर रहे थे। नेताओं ने कहा कि इस घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। उन्होंने प्रशासन से दोषियों को कठोर दंड देने की मांग की। साथ ही पीड़िता के परिवार को सुरक्षा और आर्थिक सहायता की मांग भी रखी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शन समाप्त कराने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों के अपनी मांगों पर अड़े रहने पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस दौरान शास्त्री चौक पर कुछ समय के लिए अफरा–तफरी का माहौल बना। नेताओं ने चेतावनी दी कि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है विद्याः मुख्यमंत्री ने योगी आदित्यनाथ ने किया सरस्वती विद्या मंदिर के नवीन प्रकल्प का शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्याभारती के सरस्वती विद्या मंदिर के नवीन प्रकल्प का शिलान्यास करते हुए शिक्षा को मुक्ति का मार्ग बताया और भारत को विश्व गुरु बनाने में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होने युवाओं को सोशल मीडिया से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर धर्म और जातियों को बांटने का प्रयास किया जा रहा है जिससे सावधान रहने की आवश्यकता है।

विद्याभारती के सरस्वती विद्या मंदिर के नवीन प्रकल्प का बसहवा में शिलान्यास करते हुए कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर के बड़े प्रकल्प को एक नए रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास हुआ है। इसके लिए सभी आचार्यों को हृदय से बधाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्या वह है जो हमारी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर दें। देश 1947 मे स्वतंत्र होता है, उसके बाद नाना जी देशमुख के नेतृत्व में गोरखपुर में पहली शाखा का निर्माण हुआ था। आज प्रदेश के अंदर हजारों शिक्षक देश और राष्ट्र को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के अंदर शिक्षा कैसी होनी चाहिए, इसके लिए आजादी के पांच वर्ष बाद इसकी नींव पड़ी। भारत को विश्व गुरु बनने में इसका प्रमुख योगदान दिया है। शिक्षा संस्कार युक्त नहीं है। देश के प्रति समर्पित नहीं है, तो सब बेकार है। यह एक चुनौती थी। सरकार विपरीत थी। बिना सरकार के सहायता के

अपने दम पर भारतीयता के प्रति अनुराग रखने वाले लोगों के सहयोग से निर्माण हुआ। उस समय सिर्फ पांच छात्र थे, आज तो 12 हजार से अधिक सिर्फ शिक्षक हैं।

यहां से निकलने वाले छात्र समाज को नई दिशा दे रहे हैं, जो मोदी जी के विकसित राष्ट्र की परिकल्पना में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। पूरी दुनिया में शिक्षा के बाद ही समग्रता का लक्ष्य पूरा होता है। यहां सुयोग्य नागरिक विकसित होने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जो विकास का खाका पांच वर्ष के लिये बनाते हैं। उसी तरह से मोदी जी ने पंच प्रण। हमें अपनी विरासत का सम्मान करना होगा। पूर्वजों व परम्पराओ को जीवन का हिस्सा बनना होगा।

भारत और भारतीयता के मन में ऐसा भाव भरा गया, जिससे हमने अंग्रेजी को भारतीयता का प्रतीक बनना शुरू कर दिया था। हमें अपने परंपरा और प्रतीक से दूरी बनाने का कुचक्र रचा गया। भारत के बाद बल और बुद्धि की कोई तुलना नहीं थी।

कहा कि हम नई तकनीकी से देश को आगे ले जा सकते हैं। अच्छे कार्यों को हम अब एक साथ पूरी दुनियां के सामने आगे ला सकते है। यह तकनीक अपने द्वारा संचालित हो, यह टेक्नोलॉजी हमें न संचालित करने लगे, इसके लिए सतर्क रहना होगा। हम अच्छे कार्यों के लिए प्रयोग करें।

इसके पूर्व प्रधानाचार्य गोविन्द सिंह ने बिनु हरि कृपा मिले नही सन्ता का उल्लेख करते हुए अतिथियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि, प्रांत प्रचारक रमेश जी, कार्यक्रम अध्यक्ष हेमचंद जी क्षेत्र संगठन मंत्री प्रमुख, डाक्टर सौरभ मालवीय, श्री राम सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायक अजय सिंह, गो सेवा संगठन के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल आदि मौजूद है।

आम आदमी पार्टी की बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को आम आदमी पार्टी द्वारा जिलाध्यक्ष डॉ. राम सुभाष वर्मा द्वारा रूधौली विधानसभाध्यक्ष अनिल कुमार चौधरी के संयोजन में विधानसभा क्षेत्र के परसालाल शाही गांव में हर घर सम्पर्क अभियान की कड़ी में बैठक का आयोजन किया गया। गांव में स्थित एक विद्यालय के सभागार में आयोजित बैठक में हर घर सम्पर्क अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये पार्टी के नीति, कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

बैठक में डॉ. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी जनहित के सवालों को लेकर निरन्तर संघर्ष कर रही है। यूरिया संकट, बिजली मूल्यवृद्धि, निजीकरण आदि का मामला पूरी ताकत से उठाया गया। कहा कि संगठन की मजबूती से ही राजनीतिक, सामाजिक लक्ष्य हासिल होंगे। बैठक में बौद्ध प्रान्त के उपाध्यक्ष कुलदीप जायसवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के नीति, कार्यक्रम के बारे में उपस्थित लोगों को विस्तार से जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि जिला सह प्रभारी पतिराम

–रूधौली विधानसभा में चलाया गया हर घर सम्पर्क अभियान

आजाद ने कहा कि आम आदमी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ेगी और जनहित के सवालों को लेकर संघर्ष जारी रहेगा। रूधौली विधानसभाध्यक्ष अनिल कुमार चौधरी ने बताया कि पार्टी द्वारा चलाये जा रहे हर घर सम्पर्क अभियान के तहत निरन्तर कार्यक्रम जारी है।

बैठक में राम सजन सूर्यवंशी, चन्द्रभान कन्नौजिया, राजेश कुमार, मोतीलाल आदि ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। मुख्य रूप से अशोक जायसवाल, साकिर अली, अजीत यादव, विशाल, जयराम, विजय बहादुर, मोतीलाल, जाहिद अली, राम कृष्ण शुक्ल, ओम प्रकाश, संदीप कुमार यादव, रियाजुल्लाह, ओम प्रकाश, सुखराम, प्रेमचन्द्र, सीताराम यादव, श्याम सुन्दर, जितेन्द्र मौर्य, दीनानाथ चौधरी, राजेन्द्र, मेवालाल के साथ ही आम आदमी पार्टी के अनेक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

तैयारियां पूरीः शिक्षकों का धरना प्रदर्शन 10 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के क्रम में देश के सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य किए जाने के आदेश मामलों को लेकर 10 सितम्बर को दिन में एक बजे शास्त्री चौक पर शिक्षक एकत्र होंगे उसके बाद जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भेजा जायेगा।

यह जानकारी देते हुये संघ के जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि तैयारियां पूरी की जा चुकी है और संघ जिलाध्यक्ष उदय

शंकर शुक्ल के आवाहन पर बड़ी संख्या में शिक्षक एकत्र होंगे। प्रवक्ता सूर्य प्रकाश ने बताया कि यदि शीघ्र समस्या का समुचित हल न ढूढा गया तो 15 लाख से अधिक संख्या में शिक्षकों को नौकरियां गंवा देने को मजबूर होना पड़ेगा।

विकसित प्रदेश की संकल्पना में आम जनों के सुझाव का संकलन जारीः प्रबुद्ध जनों से बनाया सीधा संवाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश की टीम मंगलवार को नगर पंचायत नगर पहुंची। नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने सभी का स्वागत करते हुए अपने दो वर्ष की उपलब्धियों वाली 'दो साल बना मिशाल' पुस्तिका भेंट किया। अध्यक्ष, सभासद गण और समाज के प्रबुद्ध जनों से सीधा संवाद स्थापित हुआ। प्रदेश सरकार द्वारा नामित सदस्य पूर्व आई ए एस ओ एन सिंह ने बताया कि 2047 में विकसित प्रदेश की संकल्पना में आम जन के सुझाव संकलन टीम का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा प्रत्येक सेक्टर में अमूल चूल बदलाव और योजनाओं को जनोपयोगी बनाने के लिए जनपदों में विचार आमन्त्रित किए जा रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त प्रमुख अभियंता संजय कुमार श्रीवास्तव ने लोगों को विस्तार से विषय वस्तु की जानकारी दिया। सेवानिवृत्त कर्नल के सी मिश्र ने कहा कि सरकार द्वारा एक क्यूं आर कोड बनाया गया है जिसे स्कैन कर आम जन भी अपने सुझाव दे सकते हैं। उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने नगर निकाय में सीवरेज,स्टेडियम, डिजिटल लाईब्रेरी, पार्क, एलोपैथिक अस्पताल, तकनीकि शिक्षा, अग्नि शमन केंद्र, इंडस्ट्री, नगर निकायों की सीमा से मुख्यालय तक दो लेन सड़कों के निर्माण सहित एक दर्जन मांग करते हुए किसानों के लिए फ्री बोरिंग योजना पुनः शुरू करने तथा महिलाओं के समूहों के पुनर्गठन का सुझाव दिया। उन्होंने नगर पंचायत द्वारा संचालित अनुकरणीय योजनाओं एवं कार्यकर्मों की जानकारी साझा किया। शिक्षक अमरेंद्र सिंह ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वन हेतु नई तकनीक ए आई के उपयोग पर अपनी बात रखी। सेवा निवृत्त सूबेदार मेजर चंद्र शेखर शुक्ला ने खाद की कालाबाजारी पर अंकुश की बात कियाबऔर किसानों के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति का सुझाव दिया। सभासद राजेश पाण्डेय ने नगर पंचायत में किसानों के उत्पादों हेतु कोल्ड स्टोर के निर्माण की मांग किया। शिक्षक शिव पूजन आर्य ने समाज में संगठित रूप से विद्वेष फैलाने वालों पर अंकुश की मांग किया। अनिल कुमार श्रीवास्तव ने किसानों की आमदनी बढ़ाने वाली स्कीमों में आ रही बाधाओं को दूर करने की बात कही। बर्कनिया द्वीप के राकेश पाण्डेय ने राजस्व विभागों चलाई का रही योजनाओं को सरल बनाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कौशल विकास केंदों को नगर पंचायत स्तर पर चलाने की भी मांग किया। टेमा के मोहंती दूबे ने कई वार्डों को जोड़ने वाली लंबी दूरी की सड़कों के निर्माण हेतु अलग से योजनाएं संचालित करने का सुझाव दिया। सभासद प्रतिनिधि यशराज के के ने कहा कि घर घर गैस कनेक्शन आपूर्ति करने वालों और सड़क निर्माण सहित अन्य विकास कार्यक्रमों को संचालित करने वाले विभागों में समन्वय स्थापित किया जाए। शिक्षक बिपिन पाण्डेय ने माध्यमिक विद्यालयों में आउट सोर्सिंग से की जा रही नियुक्तियों में अनियमितता का मामला उठाया और कहा कि सरकार द्वारा अयोग बनाकर ऐसी नियुक्तियां करने का विचार स्वागत योग्य कदम है। सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ आर इन ओझा, वरिष्ठ वैज्ञानिक बी पी शाही, डी सी मनरेगा संजय शर्मा, राम उजागिर कन्नौजिया, अभय कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। सभासद अखिलेश यादव, सत्यराम निषाद, संजय सोनकर, दिनेश चौरसिया, विजय साहनी, तुलसी राम, राम सजन यादव, विजय जैसवाल, नियाज अहमद ने अपने सुझाव क्यू आर कोड द्वारा भेजने की बात किया। अधिशाषी अधिकारी श्रृष्टि सिंह ने आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रेम प्रकाश चौधरी ने किया। इस अवसर पर नगर पंचायत के सैकड़ों प्रबुद्ध नागरिक मौजूद रहे।

नेपाल में पूर्व पीएम की पत्नी को जिन्दा जलाया, ओली का इस्तीफा संसद भवन में घुसे प्रदर्शनकारी, सुरक्षाबलों के हथियार लूटे

काठमांडू (आभा)। नेपाल में हिंसक प्रदर्शनों से हालात बिगड़ गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने संसद, पीएम, राष्ट्रपति के निजी आवास में आग लगा दी और सुरक्षा बलों से उनके हथियार छीन लिए। उन्होंने 2 पूर्व पीएम के घर पर हमला भी बोला। पूर्व पीएम झलनाथ खनाल के घर में आग लगा दी। इसमें उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार गंभीर रूप से जल गईं। उन्हें तुरंत कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

उधर, पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को उनके घर में घुसकर पीटा, जबकि वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को काठमांडू में उनके घर के पास दौड़ा–दौड़ाकर मारा गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक प्रदर्शनकारी उनके सीने पर लात मारते हुए दिख रहा है। देश में जारी हिंसक हिंसक घटनाओं के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पद से इस्तीफा दे दिया। सेना का एक हेलिकॉप्टर उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले गया है।

राजधानी काठमांडू और आसपास के इलाकों में झड़पों और आगजनी में अब तक 22 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं। कैदी जेल से भाग गये हैं।

डायट में हुआ एलुमनी मीट का आयोजन, पूर्व छात्रों ने साझा किए अनुभव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में मंगलवार को एलुमनी मीट प्रोग्राम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यक्रम में डीएलएड प्रशिक्षुओं ने गीत, नृत्य व सांस्कृतिक गतिविधियां प्रस्तुत कीं। वहीं पूर्व छात्रों ने बताया कि वह आज जो भी हैं वह इस संस्था की देन है और आज वह यहां आकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं वह इसके लिए डायट के आभारी हैं। इस प्रोग्राम का उद्देश्य डायट से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके ऐसे प्रशिक्षु जो जनपद के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापक के पद पर और अन्य क्षेत्र में कार्यरत हैं उनको एलुमनाई प्रोग्राम के तहत जोड़ना है। विभिन्न ब्लॉक एवं जनपदों से आये अध्यापकों ने अपने विद्यालय से संबंधित अनुभवों को साझा किया। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने पुरातन छात्र एवं वर्तमान डीएलएड प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती छात्र किसी भी संस्था की नींव होते

–पूर्ववर्ती छात्र किसी भी संस्था की नींव होते हैं - संजय शुक्ल

हैं। जब भी वे मिलते हैं, तो उनके चेहरों पर प्रसन्नता की एक अलग ही चमक दिखती है। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्र संस्था को आगे बढ़ाने और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों के विद्यालयों में ई–लर्निंग, शैक्षिक गुणवत्ता एवं सभी प्रकार के एप्लिकेशन के प्रयोग से शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने और पुरातन शिक्षकों के अनुभवों से प्रशिक्षुओं को सीख लेने की प्रेरणा की बात कही।कार्यक्रम के नोडल प्रवक्ता वंदना चौधरी ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी पूर्व प्रशिक्षु के मिलन समारोह के साथ–साथ वर्तमान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओं को उनके मार्गदर्शन एवं अनुभव से अवगत कराना भी है। डायट प्राचार्य ने पुरातन छात्रों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

डायट प्रवक्ता डॉ गोविन्द प्रसाद, डॉ ऋचा शुक्ला, वर्षा पटेल, सरिता चौधरी, कल्याण पाण्डेय, अलीउद्दीन, डॉ रविनाथ, कुलदीप चौधरी, मो इमरान खान, अमन सेन, शशि दर्शन त्रिपाठी आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। प्रशिक्षु सृष्टि, आकांक्षा सिंह, आकांक्षा पाण्डेय, निशु, तनु सिंह, महिमा पाण्डेय, दीप्ति पाण्डेय, प्रियंका यादव, सौम्या, साक्षी यादव, सौम्या, नीलम, अजय, अमरेंद्र, सौरभ कनौजिया, ज्ञानेंद्र, ज्ञान प्रकाश आकाश आदि मौजूद रहे।

कुर्मी महासभा ने हत्या, उत्पीड़न मामलों को लेकर राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को भारतीय कुर्मी महासभा जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा के नेतृत्व में राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा।

प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर ज्ञापन देने के बाद महासभा जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि प्रदेश के फतेहपुर में केशपाल पटेल और जौनपुर में सागर पटेल की जघन्य हत्या से समाज में आक्रोश है। मांग किया कि दोषियों की गिरफ्तारी के साथ ही पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से मुआवजा दिलाया जाय। बताया कि फतेहपुर जनपद के अजरौली पल्लावा गांव थाना धाता में 70 वर्षीय किसान केशपाल पटेल की दबंगों ने गत 26 अगस्त 2025 को सोते समय हत्या कर दिया। इसी प्रकार से जौनपुर जनपद के निकामीद दीनपुर थाना मुंगरा

बादशाहपुर में एम.बी.बी.एस. के छात्र सागर पटेल ने विभागीय उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर लिया।

प्रदेश के अनेक जनपदों में कुर्मी समाज के लोगों की हत्या, उत्पीड़न आदि की जानकारी देते हुये प्रदेश संगठन सचिव आर.के. सिंह पटेल, मण्डल अध्यक्ष मस्तराम वर्मा आदि ने मांग किया कि मामलों में निष्पक्ष जांच कराकर न्याय दिलाया जाय।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से कृष्ण चन्द्र चौधरी, अशोक कुमार वर्मा, बद्री प्रसाद चौधरी, घनश्याम चौधरी, मायाराम चौधरी, कृपाशंकर चौधरी, अशोक कुमार चौधरी, अरविन्द कुमार चौधरी, आज्ञाराम चौधरी, विद्यासागर चौधरी, डा. श्याम नरायन चौधरी आदि शामिल रहे।

छात्र संघ बहाली की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बस्ती आगमन पर छात्र नेताओं ने मंगलवार को छात्र संघ बहाली की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने का प्रयास किया किन्तु पुलिस बल ने उन्हें पहुंचने ही नहीं दिया। कोतवाली पुलिस ने एपीएन पी.जी. कालेज से कुछ छात्रों को हिरासत में ले लिया। इसे देखते हुये ए.पी.एन. पी.जी. कालेज के पूर्व छात्र संघ महामंत्री मोहम्मद हारिस के नेतृत्व में छात्र नेताओं और छात्रों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि छात्र संघ को तत्काल प्रभाव से बहाल कराया जाय।

ज्ञापन देने के बाद पूर्व छात्र संघ महामंत्री मोहम्मद हारिस ने कहा कि छात्र संघ की कोख से मुख्य धारा का नेतृत्व करने वाले नेता निकलते थे। दुर्भाग्य से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही छात्र संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यह लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति

–छात्र संघ पर प्रतिबंध का निर्णय लोकतंत्र का अपमान– मोहम्मद हारिस

के स्वतंत्रता का खुला उल्लंघन है। होता तो इस प्रकार की मनमानी न होने पाती। मांग किया कि विश्वविद्यालयों और डिग्री कालेजों में पूरी तरह से मनमानी हो रही है, विशेषकर निजी विश्वविद्यालयों, डिग्री कालेजों में तो मनमानी फीस वसूली के साथ ही बिना मान्यता के एलएलबी तक की कक्षायें चलायी जा रही है। बाराबंकी का रामस्वरूप विश्वविद्यालय इसका उदाहरण है। यदि छात्र संघ कहा कि छात्र संघ न होने के कारण विश्वविद्यालयों और डिग्री कालेजों में तत्काल प्रभाव से छात्र संघ बहाल किया जाय।मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से छात्र नेता सुधीर यादव, सुनील चौधरी, प्रशान्त वर्मा, प्रदीप चौधरी, शशांक, शिवेन्द्र, धर्मवीर के साथ ही अनेक छात्र नेता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 सितम्बर 2025 बुधवार

सम्पादकीय

नेपाल में तख्ता पलट के संकेत

पड़ोसी देश नेपाल में वामपंथी विचारधारा के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार के तख्ता पलट की उम्मीद काफी बढ़ गई है। ओली के मंत्री और सांसद इस्तीफा दे रहे हैं। आम जनता के गुस्से को भांप कर प्रधानमंत्री ओली के साथ—साथ उनके समर्थन वाले कई नेताओं के विदेश जाने की खबरें भी आ रही हैं। मौजूदा हालात में अगर ओली सरकार गिरती है, तो सबसे पहले सत्ता में आने का रास्ता नेपाली कांग्रेस जैसी मध्यमार्गी, लोकतांत्रिक विचारधारा वाली पार्टी के लिये सबसे अधिक खुलेगा। नेपाली कांग्रेस संसद की सबसे बड़ी पार्टी है, जबकि सीपीएन—यूएमएल (ओली की पार्टी) दूसरी सबसे बड़ी पार्टी हैय इनके बाद तीसरी ताकत माओवादी केंद्र है, जो प्रगतिशील मगर ओली की तुलना में अधिक विविध गठबंधन की ओर झुकी रही है। ओली के नेतृत्व में मंत्रीमंडल में शामिल सहयोगी दलों ने पहले भी समर्थन वापस लिया है, इसलिए सत्ता परिवर्तन का रास्ता पहले संसदीय दल के बीच मेल—मिलाप, फिर बहुमत परीक्षण के जरिये तय होगा। नई सरकार के लिये गठबंधन जरूरी है, जिसमें कांग्रेस, माओवादी केंद्र और क्षेत्रीय दल प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।वैसे कहा यह भी जा रहा है कि नेपाल में जो कुछ हो रहा है उसके पीछे अमेरिका का हाथ है।

ओली सरकार की स्थिरता एक बार फिर बड़े संकट में फंस गई है, इसका ट्रिगर हालिया आंदोलन बना, जिसमें भ्रष्टाचार, भेदभाव और सोशल मीडिया नियंत्रण के खिलाफ युवाओं ने बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर कर विरोध किया। इन प्रदर्शनों को दबाने के दौरान पुलिस की फायरिंग में 19 लोगों की मौत हो चुकी है। इस घटना के बाद सरकार की साख और समर्थन तेजी से गिरा हैय साथ ही ओली कैबिनेट से इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो गया। सबसे पहले गृह मंत्री रमेश लेखक (नेपाली कांग्रेस) ने इस्तीफा देकर नैतिक जिम्मेदारी ली। इसके बाद कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी (नेपाली कांग्रेस) ने भी सरकार की नीतियों के खिलाफ इस्तीफा दे दिया है। ये इस्तीफे बताते हैं कि सरकार के सामने बड़ी सियासी चुनौती है और बहुमत खोने का संकट सिर पर है।

नेपाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन के कई निशाने और असर भारत पर भी सीधे पड़ते हैं। नई सरकार का गठन भारत और चीन दोनों के लिये कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाएगा। भारत पारंपरिक रूप से नेपाल की लोकतांत्रिक, संवैधानिक व्यवस्था को समर्थन देता रहा है और बार—बार राजनीतिक स्थिरता का पक्षधर रहा है। नेपाल में वामपंथी हुकूमतें आमतौर पर चीन के करीब दिखती हैं और भारत के साथ कई अहम समझौतों को ओझल कर देती हैं, जबकि नेपाली कांग्रेस जैसे दल खुलकर भारत—नेपाल सांस्कृतिक, राजनयिक, व्यापारिक रिश्तों को प्राथमिकता देते हैं। अगर ओली सरकार गिरती है और कांग्रेस गठबंधन सत्ता में आता है, तो भारत—नेपाल संबंधों के सहज होने, आपसी व्यापार बढ़ने और सीमाई विवादों के कम होने की संभावना कहीं अधिक मजबूत हो जाएगीय वहीं, ओली द्वारा लागू कट्टर राष्ट्रवाद जो चीन के साथ नजदीकी बढ़ाने की कोशिशों में झलकता रहा उसमें ब्रेक लग सकता है।

नेपाल के हालिया राजनीतिक अस्थिरता के भारत पर प्रभाव को तीन पहलुओं में समझा जा सकता है। पहला, भारत नेपाल में स्थिरता चाहता है ताकि मधेस, सीमा विवाद और पारगमन व्यापार को लेकर सहयोग बढ़ सके। अस्थिर सरकारों के कारण अक्सर समझौते टल जाते हैं या नए सिरे से कूटनीति की जरूरत पड़ती है।दूसरा, ओली की वामपंथी सरकार ने भारत के खिलाफ राष्ट्रवादी बोल, सीमाई मुद्दों पर चीन के पक्ष में झुकाव और आंतरिक राजनीति में बाहरी (खासकर भारतीय) दखल का आरोप बार—बार लगाया। सत्ता परिवर्तन से भारत के लिए एक संवेदनशील, व्यावहारिक सहयोगी सामने आ सकता है। तीसरा, चीन के दखल और नेपाल की आंतरिक राजनीति में सैन्य व अधोसंरचना सहयोग के मुद्दे पर भारत सावधान रहता है। नई सरकार बनने के बाद भारत—नेपाल के कूटनीतिक संतुलन को साधने की कोशिश संभव है। ओली सरकार में जो मंत्री इस्तीफा दे चुके हैं, उनमें गृह मंत्री रमेश लेखक और कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी (दोनों नेपाली कांग्रेस) के नाम सामने आ चुके हैं। दोनों ने व्यापक विरोध—प्रदर्शन, विपक्षी दलों के दबाव और पुलिस बर्बरता व जवाबदेही के अभाव को लेकर इस्तीफा दिया हैय इनके अलावा भी गंभीर असंतोष के संकेत मिल रहे हैं।

नेपाल में नई पीढ़ी का असंतोष, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और फ्री स्पीच की मांग है, जिससे सरकार का जनाधार कमजोर हुआ है। ओली सरकार के जाने के बाद केंद्र में लोकतांत्रिक, लोककल्याणकारी एजेंडा रखने वाली पार्टियों का दबदबा बढ़ सकता है, जिससे भारत—नेपाल संबंधों में नया संचार और क्षेत्रीय संतुलन संभव है। किंतु सेट बैक यह रहेगा कि बार—बार सियासी उठापटक नेपाल की आंतरिक प्राकृतिक व मानवीय समस्याओं को भी और लंबा खींच सकती है, जिसका सीधा असर भारत—नेपाल के सीमाई इलाकों, प्रवासी कामगारों और सांस्कृतिक रिश्तों पर पड़ेगा। इसलिए घटनाक्रम पर भारत की दोतरफा कूटनीतिक सक्रियता बढ़ना तय है।

जीएसटी सुधार, जीप-टेम्पो की यादें, घोषणा से जमीन तक का सफर

—अखिल कुमार यादव—

मेरा घर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बसा हुआ है। बचपन से ही यह राजमार्ग मेरी आँखों के सामने केवल कंक्रीट और डामर की सड़क नहीं रहा, बल्कि एक जीवंत धारा की तरह रहा। सुबह होते ही गाड़ियों की आवाज से घर गूंज उठता। यात्री टेम्पो में चढ़ते, जीपों में बैठते, और कभी—कभी बसों में भीड़ लग जाती। मेरे बचपन का सबसे बड़ा रोमांच इन गाड़ियों को आते—जाते देखना ही था। यह दृश्य केवल यातायात का नहीं बल्कि उस दौर की अर्थव्यवस्था और समाज की धड़कन भी था। 90 के दशक में सबसे लोकप्रिय तीन—पहियों वाली टेम्पो थी। इसका असली नाम हेनसेट टेम्पो था, जिसे जर्मनी की कंपनी ने विकसित किया और भारत में बजाज ने उत्पादन शुरू किया। आम लोग इसे "सूंड़ वाली गाड़ी", "कौआ गाड़ी" या "गणेशजी" कहते थे। ये टेम्पो और जीप गाँव और कस्बों के बीच आवाजाही आसान बनाते। छोटे किसान अपना अनाज, व्यापारी अपना सामान, और यात्री अपने शहर तक का सफर इन्हीं से करते। इंजन साधारण, देखभाल आसान और डीजल पर अर्थव्यवस्था टिकती थी। यहीं से बचपन में एक बड़ा सबक मिला। जब डीजल महँगा होता, अगले ही दिन किराया बढ़ जाता जब दाम घटता, तब भी किराया जस का तस रहता। यही खाई थी, सरकारी घोषणा और जनता तक पहुँची वास्तविकता के बीच।

आज जब जीएसटी सुधारों की चर्चा सुनता हूँ, वही टेम्पो—जीप की यादें ताजा हो जाती हैं। सरकार ने कर प्रणाली को सरल बनाने के लिए चार स्लैब घटाकर दो प्रमुख दरों (5: और 18:) कर दी हैं, आवश्यक वस्तुएँ शून्य प्रतिशत और लक्जरी,हानिकारक वस्तुएँ 40 प्रतिशत में अलग से रखी गई हैं। कागज पर कदम साहसिक है, कारोबारियों और उपभोक्ताओं के लिए आसान। लेकिन सवाल वही है, क्या राहत जनता तक पहुँचेगी?

सरकार ने कॉपियों और किताबों पर 5: टैक्स तय किया, संदेश दिया कि शिक्षा का बोझ हल्का होगा। लेकिन कागज, उत्पादन का मुख्य आधार, अब 12: के स्लैब से निकलकर 18: में है। उत्पादन लागत बढ़ी, कीमत जस की तस। जैसे कभी डीजल का दाम घटने के बाद भी टेम्पो का किराया जस का तस रहता था, वैसे ही अब कॉपी की कीमतें नहीं घटेगी। नीति और नीयत अच्छी हो सकती हैं, लेकिन जमीनी असर तभी होगा जब हर स्तर पर संतुलन हो। यदि कच्चे माल पर ज्यादा टैक्स और तैयार माल पर कम, तो इसे इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर कहते हैं। इससे छोटे उद्योग और एमएसएमई सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। पहले स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर 18: जीएसटी वसूला जाता था। यदि कोई 10,000 रुपये देता, तो 1,800 रुपये टैक्स चुकाने पड़ते। हाल ही में इसे हटा दिया गया। सतही राहत दिखती है, लेकिन कंपनियों के इनपुट टैक्स क्रेडिट खत्म होने से प्रीमियम बढ़ने की आशंका है। जैसे टेम्पो—जीप का किराया घटता नहीं था, वैसे ही अब बीमा प्रीमियम में भी जनता को सीधो राहत नहीं मिल रही। मीडिया रिपोर्ट्स दिखाते हैं कि ऑटो डीलर्स वित्तीय दबाव में हैं, टेक्सटाइल उद्योग और एफएमसीजी कंपनियाँ पुराने स्टॉक की लागत बढ़ने जैसी चुनौतियों से जूझ रही हैं। कंपनियाँ नए स्लैब को समायोजित कर रही हैं, लेकिन इसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँच रहा है या नहीं, यह सवाल खड़ा है। जैसे टेम्पो—जीप ने गाँव और शहर के बीच आवाजाही आसान की थी, वैसे ही अब इन सुधारों का असर उपभोक्ताओं तक पहुँचना चाहिए था, लेकिन लाभ अब भी सीमित है। टेम्पो—जीप वाली यादों का संदेश आज भी प्रासंगिक है। नीति और घोषणा भले ही बेहतरीन हों, असली राहत तभी होती है जब जनता के जेब पर असर दिखे। यह केवल आंकड़ों या प्रेस कॉन्फ्रेंस से मापा नहीं जा सकता। सरकार की मंशा पर सवाल नहीं है, लेकिन क्रियान्वयन की ईमानदारी ही असली कसौटी है। नीति को जमीन तक पहुँचाने के लिए निगरानी, संतुलन और व्यवहारिक समझ जरूरी है। यह सुनिश्चित करना होगा कि कंपनियाँ टैक्स छूट का लाभ सीधे ग्राहकों तक पहुँचाएँ, न कि केवल अपने मुनाफे या वित्तीय लचीलापन के लिए इस्तेमाल करें। सरकार से अपील है कि वह केवल नीति बनाने तक सीमित न रहे। इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर खत्म करें, कंपनियों पर निगरानी रखें, और उपभोक्ता तक वास्तविक राहत पहुँचाने की गारंटी दें। तभी नीतियाँ केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस का हिस्सा न रहकर जनता के जीवन में बदलाव बनेंगी।

फिलहाल स्थिति यह है कि सुधारों का राजनीतिक श्रेय सरकार को और वित्तीय लाभ कंपनियों, बिचौलियों व डीलरों को मिल रहा है। आम उपभोक्ता अब भी उसी हाल में हैकृजैसे कभी डीजल सस्ता होने पर टेम्पो—जीप का किराया नहीं घटा। सवारी अब भी पूरा किराया चुका रही है, राहत सिर्फ घोषणा में दर्ज है। असली सुधार तब होगा जब घोषणा से ज्यादा असर जनता की जेब में दिखेगा। इस पूरी प्रक्रिया में स्पष्ट होता है कि नीति और नीयत के बीच वास्तविक असर का फासला अभी भी बरकरार है। चाहे शिक्षा हो, बीमा हो, ऑटोमोबाइल या एफएमसीजी, जनता वही अनुभव कर रही हैकृघोषणा तो होती है, लेकिन वास्तविक राहत सीमित या नगण्य रहती है।

यही वह सीख है जो टेम्पो और जीप ने मुझे बचपन में दी थी। ऊपर से कितना भी एलान हो, असली राहत तब होती है जब जमीन पर किराया घटे, कीमतें कम हों, और नीति का असर सीधे आम आदमी तक पहुंचे। यदि जीएसटी सुधार का लाभ केवल घोषणा और आंकड़ों तक सीमित रह गया, तो यह केवल शब्दों की राहत भर होगी, वास्तविक नहीं।

नेपाल का आनलाइन लॉकडाउन, आजादी पर सवाल

— डॉ प्रियंका सौरभ—

नेपाल जैसे छोटे लोकतांत्रिक देश ने हाल ही में ऐसा बड़ा निर्णय लिया है जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया। सरकार ने 26 सोशल मीडिया और संदेश मंचों पर अचानक रोक लगाने का आदेश दिया। इसमें फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स जैसे सबसे लोकप्रिय मंच शामिल हैं। यह फैसला जितना अचानक लिया गया, उतना ही गहरी बहस भी शुरू कर दी कि क्या यह कदम नागरिक अधिकारों पर हमला है या देश की डिजिटल सुरक्षा के लिए जरूरी था। सरकार का कहना है कि सोशल मीडिया कंपनियों को पहले ही चेतावनी दी गई थी कि वे नेपाल में अपना स्थानीय कार्यालय खोलें, प्रतिनिधि नियुक्त करें और शिकायत निवारण की व्यवस्था सुनिश्चित करें। लेकिन कंपनियों ने इसका पालन नहीं किया। सरकार के अनुसार, इस कारण अफवाहें, भ्रामक खबरें और साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे थे। इसे रोकने के लिए ही यह बड़ा कदम उठाया गया।

लेकिन इस फैसले का विरोध भी तेजी से हो रहा है। पत्रकार संगठन, मानवाधिकार समूह और आम नागरिक इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला मान रहे हैं। उनका तर्क है कि सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह अब नागरिकों की आवाज और लोकतंत्र का आधार बन चुका है। जब इतने बड़े स्तर पर मंच बंद कर दिए जाएंगे, तो जनता की संवाद और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गहरा असर पड़ेगा।

नेपाल में लाखों परिवार ऐसे हैं जिनके सदस्य विदेशों में काम कर रहे हैं। उनके लिए व्हाट्सएप और फेसबुक ही परिवार से जुड़े रहने का सबसे आसान माध्यम हैं। इस प्रतिबंधा से उनकी रोजमर्रा की जिंदगी कठिन हो जाएगी। यही नहीं, छोटे व्यापारी और ऑनलाइन कारोबार करने वाले लोग भी सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों तक पहुँचते थे। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक पर विज्ञापन देकर वे अपने उत्पाद बेचते थे। अब यह सब प्रभावित होगा। हजारों सामग्री निर्माता और यूट्यूबर, जो सोशल मीडिया से अपनी रोजी—रोटी चला रहे थे, अचानक बेरोजगार होने की कगार पर पहुँच गए हैं। युवाओं में निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि डिजिटल रोजगार पर भी बड़ा झटका है।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह निर्णय नेपाल सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। विपक्ष इसे तानाशाही कदम मान रहा है। उनका कहना है कि सरकार आलोचना और सवालों से डर रही है, इसलिए उसने सोशल मीडिया पर रोक लगा दी। लोकतंत्र की असली ताकत जनता की आवाज में है। जब उस आवाज को दबाया जाता है, तो लोकतंत्र कमजोर पड़ जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नेपाल की छवि प्रभावित होगी। निवेशक और डिजिटल कंपनियाँ यह सोचेंगी कि नेपाल का डिजिटल माहौल स्थिर और सुरक्षित नहीं है। इससे निवेश और साझेदारी पर असर पड़ेगा। पर्यटक भी नाखुश हो सकते हैं, क्योंकि आज यात्रा, संचार और जानकारी का बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया पर आधारित है।

सरकार का तर्क बिल्कुल गलत नहीं है। सोशल मीडिया पर अफवाहें, फर्जी खबरें और साइबर अपराध तेजी से फैल रहे हैं। इससे सामाजिक तनाव और हिंसा भी भड़क सकती है। सरकार को यह हक है कि वह नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और कंपनियों को जिम्मेदार बनाए। लेकिन समस्या का हल सीधे मंचों को बंद करना नहीं होना चाहिए।

दुनिया के कई देशों ने सोशल मीडिया कंपनियों पर नियम लागू किए हैं। भारत ने 2021 में नए सूचना प्रौद्योगिकी नियम बनाए, जिनमें कंपनियों को शिकायत अधिकारी नियुक्त करना और सामग्री पर तुरंत कार्रवाई करना अनिवार्य किया गया। यूरोपियन संघ ने भी डिजिटल सेवा कानून लागू किया। लेकिन कहीं भी इस तरह का पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया गया। नेपाल का कदम इसलिए कठोर और जल्दबाजी भरा लगता है।

समाधान यही है कि सरकार कंपनियों से बातचीत करे, उन पर जुर्माना लगाए और नियमों का पालन करने के लिए दबाव बनाए। जनता की आवाज को पूरी तरह रोकना सही तरीका नहीं है। यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है बल्कि जनता और सरकार के बीच अविश्वास भी बढ़ाएगा।

भविष्य में नेपाल को संतुलन की राह चुननी होगी। उसे समझना होगा कि सोशल मीडिया अब केवल तकनीकी साधन नहीं है, बल्कि लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। इसे बंद करना लोगों की स्वतंत्रता और संवाद दोनों पर चोट है। बेहतर होगा कि सरकार कंपनियों को सख्त नियमों के दायरे में रखे, लेकिन नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुरक्षित भी रहे।

लोकतंत्र की असली ताकत जनता का भरोसा है। यह भरोसा तभी बनता है जब सरकार जनता से संवाद करेगी, न कि उसकी आवाज को दबाएगी। नेपाल को चाहिए कि वह अपने इस फैसले पर पुनर्विचार करे और ऐसा रास्ता अपनाए जिससे कानून का पालन भी हो और नागरिकों की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। यही सही लोकतांत्रिक समाधान है।

नेपाल की यह घटना पूरे विश्व के लिए भी सीख है। यह दिखाती है कि डिजिटल दुनिया में नियमों और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना कितना महत्वपूर्ण है। एक ओर सुरक्षा, अफवाहों और अपराधों पर नियंत्रण की जरूरत है, तो दूसरी ओर जनता की अभिव्यक्ति और संवाद की स्वतंत्रता का सम्मान भी उतना ही आवश्यक है। यदि यही संतुलन मिल जाता है, तो लोकतंत्र मजबूत रहेगा और डिजिटल दुनिया का लाभ सभी को मिलेगा।

नेपाल के निर्णय ने यह स्पष्ट किया है कि सरकारें डिजिटल दुनिया में सही कदम उठाने के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन इस जिम्मेदारी का मतलब जनता की आवाज पर अंकुश लगाना नहीं होना चाहिए। हर लोकतंत्र में नागरिकों की स्वतंत्रता सर्वोपरि है। इसलिए नेपाल को चाहिए कि वह कानून की कठोरता और लोगों की स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन बनाए और सोशल मीडिया को केवल प्रतिबंध का शिकार न बनने दे। अंततः यह निर्णय एक चेतावनी भी है कि सोशल मीडिया का महत्व अब केवल मनोरंजन या सूचना तक सीमित नहीं है। यह लोकतंत्र, रोजगार, सामाजिक संवाद और वैश्विक पहचान का अहम हिस्सा बन चुका है। इसे सही ढंग से नियंत्रित करना, नियम लागू करना और नागरिकों की आवाज सुरक्षित रखना ही भविष्य की दिशा है।नेपाल को चाहिए कि वह इस निर्णय का पुनर्विचार करे और ऐसा समाधान निकाले जो कानून का पालन सुनिश्चित करे, अफवाहों और साइबर अपराध पर रोक लगाए, और साथ ही जनता की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को भी सुरक्षित रखे। यही लोकतंत्र की सच्ची ताकत है।

नये सन्दर्भो में बदलते ट्रंप के सुर

—संतोष कुमार भार्गव—

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर नरम पड़ गए हैं। उन्हें एहसास हो गया है कि भारत किसी भी देश के सामने झुकने वाला नहीं है। पूर्व भारतीय राजनयिक के.पी. फैबियन ने ट्रंप के पोस्ट और उस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया का मतलब समझाया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप को अब समझ आ रहा है कि उनकी आक्रामक व्यापारिक धमकियां नाकाम साबित हो रही हैं। हाल में ट्रंप ने भारत—अमेरिका संबंधों को श्बहुत—बहुत खासश बताया था। फैबियन ने जोर देकर कहा कि भारत, भारत है। यह एक सभ्यता वाला देश है। भारत किसी भी देश का पिछलग्गू नहीं बन सकता। भारत सबके साथ दोस्ती चाहता है। व्यापार करना चाहता है। लेकिन, भारत किसी की तानाशाही नहीं मानेगा।

यह बात ट्रंप की ओर से भारत—अमेरिका संबंधों पर नरम रुख अपनाने के बाद आई है। ट्रंप ने इन संबंधों को श्बहुत खासश बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी दोस्ती की बात भी कही। जबकि उनकी सरकार ने भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसके साथ ही भारत के रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी थोपा है। इससे कुल टैरिफ 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। 50 फीसदी टैरिफ के बाद जिस तरह का तनाव बन गया था, अब ट्रंप के बदलते सुर को देखते हुए कहा जा सकता है कि भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों पर तनाव की बर्फ पिघल रही है। हालांकि टैरिफ पर अभी कोई आधिकारिक बात नहीं हुई है, लेकिन तनाव कम होता दिख रहा है। दोनों ही नेताओं के ताजा बयान इस बात के संकेत दे रहे हैं कि दोनों देशों के बीच बिगड़े रिश्ते धीरे—धीरे सामान्य हो सकते हैं। आपको बता दें कि फिलहाल अमेरिका के द्वारा भारत पर लगाया गया 50 प्रतिशत टैक्स जारी है।

वर्तमान में विश्व के तमाम देशों से व्यापार और राजनीतिक संबंध रखना सबके लिए जरूर है। बात अगर भारत और अमेरिका के व्यापारिक संबंधों की कि जाए तो 'एप्पल' ने भारत से 67,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। 'अमेजन' ने 40,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। 'गूगल' ने 22—23,000 करोड़ रुपए बनाए हैं और 'मेटा' ने भी लगभग इतनी ही कमाई की है। ये सभी अमरीकी कंपनियां हैं और भारत उनका सबसे बड़ा बाजार है। भारत में इनके प्लांट भी सक्रिय होंगे अथवा स्थापित होने की प्रक्रिया में होंगे! ऐसी कई और अमरीकी कंपनियां होंगी, जो भारत में व्यापार कर रही हैं और मोटा मुनाफा कूट रही हैं। इन कंपनियों के सबसे अधिक ग्राहक और उपयोगकर्ता भी भारत में हैं। यह मुनाफा अमरीका में ही जा रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप अब भारत के बारे में क्या सोच रहे हैं? चूंकि अमरीकी कंपनियां भारत में उत्पादन कर रही हैं और माल अमरीकी बाजार में जा रहा है, क्या राष्ट्रपति ट्रंप इन उत्पादों पर भी 50 फीसदी टैरिफ थोपेंगे? बल्कि ट्रंप हररोज टैरिफ पर सफाई दे रहे हैं। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप 100 दिनों के अंतराल में टैरिफ पर पुनर्विचार कर अपने फैसले को वापस ले सकते हैं, लिहाजा उन्होंने सर्वोच्च अदालत से आग्रह किया है कि वह टैरिफ मामले पर यथाशीघ्र सुनवाई कर उसे 'वैध' करार दे। अदालत नवंबर माह में सुनवाई शुरू करेगी, यह पहले से ही तय है।

राष्ट्रपति ट्रंप इसलिए भी चिंतित हैं, क्योंकि दुनिया दो ध्रुवों के बीच बंटती जा रही है और अमरीका को 'शीत युद्ध' एक बार फिर शुरू होने की आशंका है। अमरीका की ताकत भी बंटती जा रही है। अब देश अमरीका की 'दादागीरी' मानते रहने को तैयार नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और अमरीकी मंत्री अब भी भारत को अपना 'परम मित्र' मानते हैं। अमरीकी विशेषज्ञ भी मानते हैं कि देश के राष्ट्रपतियों ने दशकों की मेहनत, कूटनीति, दूरदर्शिता और देशों की लामबंदी के जरिए जो ताकत अर्जित की थी और अमरीका को सबसे बड़ी 25 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाया था, राष्ट्रपति ट्रंप उस पर पानी फेर रहे हैं। भारत को 50 फीसदी टैरिफ से अमरीका ने दबाव में लाने की रणनीति बनाई, लेकिन भारत दूसरे ध्रुव पर रूस और चीन के साथ मिल गया।

उसके समर्थन में 50 अन्य देश, ब्रिक्स और एससीओ के देश आ खड़े हुए। भारत के वाणिज्य—उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि भारत का ऑस्ट्रेलिया और ओमान के साथ व्यापार का करार शीघ्र ही होने जा रहा है। भारत की 50 अन्य देशों के साथ भी निर्यात की संभावनाओं पर बातचीत जारी है। अमरीका के साथ भी नवंबर तक व्यापार—समझौता होना लगभग तय है। भारत आगामी दो सालों के भीतर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। सवाल यह है कि ट्रंप को भारत से दिक्कत है अथवा रूस और चीन से?

भारत ने पलट कर अमरीका पर कोई टैरिफ नहीं थोपा है। अमरीकी कंपनियां भारत की सार्वजनिक और निजी कंपनियों से अरबों डॉलर के करार कर रही हैं। अमरीकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे अधिकारी ने अमरीका में मंदी की संभावनाओं को लेकर राष्ट्रपति को सचेत किया है। ऐसे भी विश्लेषण सामने आए हैं कि एक—तिहाई उद्योग पहले से ही आर्थिक संकट झेल रहे हैं। ऐसे में भारत के साथ कारोबार कम क्यों किया जा रहा है? टैरिफ का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि रूस के साथ भारत, चीन के अलावा अमरीका और यूरोपीय देश भी तेल और गैस का धंधा कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप को आरोप लगाने की अपनी आदत को सुधारना चाहिए। उन्होंने अब चीन पर आरोप चस्पां किया है कि वह अमरीका के खिलाफ साजिश रच रहा है। दरअसल बदलते वैश्विक परि.श्य में अमरीका अकेला पड़ता जा रहा है। अच्छे संबंधों को सिर्फ टैरिफ तक सीमित कर देखना ट्रंप और अमरीका के लिए नुकसानदायक होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब शीत युद्ध शुरू हुआ था, तब भी भारत दोनों ध्रुवों से अलग, अपनी गुटनिरपेक्षता के लिए, मजबूती से खड़ा था। बहरहाल जो भी निर्णय लेना है, राष्ट्रपति ट्रंप और अमरीका को लेना है।

अब सवाल है कि भारत को क्या करना चाहिए? अगर ट्रंप नरम पड़ रहे हैं, तो यह नरमी अभी नीतिगत नहीं है। यह तभी वास्तविक होगी जब शर्तों पर बातचीत होगी और टैरिफ राहत पर कागजी कार्रवाई पूरी हो जाएगी। जीजीआई की ओर बहुत अधिक झुकाव अमेरिकी दबाव से राहत पाने में रुकावट का जोखिम पैदा कर सकता है। हालांकि, वाशिंगटन की ओर बहुत अधिक झुकाव, बदले में, भारत के प्रभाव को कम कर देगा। भारत को इस नरमी को खुले मानकों के लिए एक सहारा के रूप में देखना चाहिए, न कि वैश्विक निवेश साझेदारी यानी जीजीआई के दायरे को बंद करने वाले संरेखण के रूप में। दोनों रास्तों में संतुलन बनाकर ही भारत के आगे के विकल्प तय होने चाहिए।

नेपाल में बवालः कर्फ्यू में मिली छूट, अनिश्चित समय के लिए निषेधाज्ञा लागू– भारतीय पर्यटकों को राहत

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल के रूपनदेही जिले के बुटवल में तनाव की स्थिति है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने मंगलवार को सुबह 6 बजे से कर्फ्यू में ढील दी। भैरहवा और बुटवल में लगा कर्फ्यू हटा कर अनिश्चित समय के लिए निषेधाज्ञा लगा दिया है। इसमे पांच से अधिक लोगों को इकट्ठा होने और विरोध कार्यक्रम जैसे भूख हड़ताल, धरना, घेराव, जुलूस, प्रदर्शन और सभा करने की मनाही है।

मंगलवार को सीमा खुलने के बाद सुबह नेपाल प्रशासन ने आवश्यक माल वस्तु डीजल पेट्रोल, गैस खाद्यान्न, सब्जियों के वाहनों को सुबह 9 बजे तक लेकर फिर भंसार गेट पर ताला लगा दिया। नौ बजकर तीस मिनट पर डीएम कार्यालय निषेधाज्ञा लागू करने के बाद दस बजे से वाहनों का आवागमन फिर से शुरू हो गया है।

सोमवार को नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने जाने के बाद नेपाल का युवा जिसमे 12 से 22 वर्ष के लाखों बच्चे सड़क पर उतर गए और नेपाल संसद भवन का घेराव शुरू कर दिया था। सीमावर्ती क्षेत्र भैरहवा और बुटवल में युवाओं की ओर से विरोध प्रदर्शन करने और सरकारी कार्यालय को निशाना बनाने के बाद शाम 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक कर्फ्यू लगा दिया गया था।

स्थिति अभी तनावपूर्ण बनी हुई है। सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन ने पूरे रूपनदेही जिले में निषेधाज्ञा लागू कर पुलिस बल को बढ़ा दिया है। रूपन्देही जिले के मुख्य जिला अधिकारी डॉ.टोकराज पांडे ने बताया कि रूपनदेही जिले के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन, जुलूस, भीड़ द्वारा दंगा और झड़प आदि के कारण उत्पन्न होने वाली स्थिति, जिससे प्रतिकूल स्थिति उत्पन्न हो सकती है और शांति और सुरक्षा बाधित हो सकती है, के मद्देनजर स्थानीय प्रशासन अधिनियम, 2028 (संशोधित) की धारा 6 की उपधारा 3 (ए) के अनुसार निषेधाज्ञा जारी की गई है, जो मंगलवार सुबह 8रू30 बजे से अगले आदेश तक प्रभावी है।जिस क्षेत्र में निषेधाज्ञा जारी की गई है। कोई भी इस आदेश का उल्लंघन करता है या इस अवधि के दौरान आदेश के कार्यान्वयन में बाधा डालता है, उसके खिलाफ प्रचलित कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

अपनी एवं ट्रक की सुरक्षा को लेकर कुछ चालकों ने सोनौली के टेंपों स्टैंड पर पहुचने के बाद अपनी गाड़ी घुमा कर चले गए। चालक देशराज यादव, साकिब, जनार्दन निवासी गोरखपुर ने बताया कि गाजीपुर रेलवे डिपो से कोयला लेकर नेपाल जा रहे हैं। 18 गाड़ियों ने मालिक ने नेपाल जाने से मना किया है। अंदर सड़क पर टायर जलाए गए हैं। स्थिति जाने लायक नहीं है।

नेपाल में हिंसा पर भारत सतर्क, मंत्री दारा सिंह बोले- एक-एक क्षण की जानकारी मिल रही, सीमा पर विशेष रोड का निर्माण

संवाददाता–गोण्डा। उत्तर प्रदेश के प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान ने नेपाल में चल रही हिंसा पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार नेपाल की हर गतिविधि पर नजर रख रही है। सीमा पर सतर्कता बढ़ाने के लिए एक विशेष सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

दारा सिंह ने गोंडा जिले के पसका में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने करीब 500 पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित की। मंत्री ने बताया कि नेपाल में सोशल मीडिया को लेकर आंदोलन चल रहा है। इसके कारण वहां के गृहमंत्री और प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित राज्यों की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तराखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश को राहत सामग्री भेजी है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा एक पूर्व आईएएस अधिकारी को दी गई कथित धमकी पर टिप्पणी करते हुए मंत्री ने कहा कि एक पूर्व मुख्यमंत्री को ऐसे बयानों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर दिए गए संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचते हैं।

वहीं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर बाढ़ राहत सामग्री वितरण करने को लेकर कहा कि जितना चिंतित गांव के लोग काम होंगे मुख्यमंत्री यहां से लेकर के जितने भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र वहां पर वह राहत देने के लिए चिंतित ज्यादा है। जितने भी प्रभारी मंत्री हैं उनको बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भेज है उन्हें के निर्देश पर आज मैं भी यहां पर आया हूं। मुख्यमंत्री ने हमारे कहा है कि हम बाढ़ से जितने भी प्रभावित क्षेत्र हैं वहां के किसी भी लोगों को भूख नहीं करने देंगे।

बाढ़ में किसी भी प्रकार की अगर कोई जनहानि होती है तो उसकी पूरी तरह भरपाई की जाएगी।

लगातार जनता के बीच रहें कार्यकर्ता,संवाद कर समस्याओं का समाधान कराएं -धर्मपाल

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह मंगलवार को श्रावस्ती पहुंचे और मंडल अध्यक्षों व शक्तिकेन्द्र संयोजकों के साथ बैठक की। इस दौरान पार्टी के कार्यक्रमों की समीक्षा की और जनता के बीच बने रह कर समस्याओं के समाधान का आह्वान किया। प्रदेश महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार और उत्तर प्रदेश में योगी सरकार में लोककल्याण के ऐतिहासिक कार्य हुए है। जिसकी जानकारी आम लोगों को होना चाहिए। भाजपा संगठन की मजबूत बूथ संरचना और पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से जनता के साथ सतत सम्पर्क और संवाद न सिर्फ पार्टी संगठन के विस्तार को गति देगा बल्कि हर चुनाव में भाजपा की जीत होगी।

उन्होंने कहा कि बूथ समिति के सभी सदस्यों व बूथ पर निवास करने वाले सभी पार्टी पदाधिकारियों को संगठनात्मक गतिविधियों में कार्य निर्धारण कर जवाबदेही तय करते हुए संगठन की मजबूती के लिए कार्य करना है। इसके साथ ही जहां पर बूथ पर अभी पन्ना प्रमुख की नियुक्ति नहीं हुई है वहां पन्ना प्रमुख बनाते हुए हमें अपनी बूथ इकाई को सशक्त बनाने के लिए योजनापूर्वक कार्य करना चाहिए। क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत नए युवाओं को मतदाता बनाने, मृत और फर्जी मतदाताओं को हटाने सहित पन्ना प्रमुखों के साथ बैठक करें। वहीं जिलाध्यक्ष डॉ मिश्रीलाल वर्मा ने कहा कि पार्टी की सभी नीतियों को आम जन तक पहुंचाया जाएगा। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा, विधायक रामफेरन पाण्डेय, एमएलसी डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी सहित सभी पूर्व जिलाध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, जिला पदाधिकारी, सभी मंडल अध्यक्ष व शक्ति केन्द्र संयोजक मौजूद रहे।

नकली पान मसाला फैक्ट्री का भंडाफोड

संवाददाता–बलरामपुर। पुलिस ने नकली कमला पसंद पान मसाला और तंबाकू बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। कोतवाली नगर पुलिस और एसओजी टीम ने दरगाह शरीफ क्षेत्र के हमजापुरा निवासी विपिन पाठक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के गोदाम से बड़ी मात्रा में नकली सामान बरामद किया है। इसमें दो इलेक्ट्रिक पैकिंग मशीन, सुपारी कटर मशीन, बोरा सिलाई मशीन और बैंड सीलर मशीन शामिल हैं। साथ ही इलेक्ट्रिक तराजू, चलनी और विभिन्न परफ्यूम कंपाउंड भी मिले हैं। पुलिस को 10 लीटर पैराफीन ऑयल, नकली पान मसाले व तंबाकू के 20–20 पैकेट, कमला पसंद के रैपर और कच्चा माल भी मिला है। यह कार्रवाई एसपी विकास कुमार के निर्देशन में की गई। इससे पहले 6 सितंबर को कमला पसंद के डिस्ट्रीब्यूटर की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। उसी दिन पुलिस ने भगौतीगंज निवासी इकरामुद्दीन को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में इकरामुद्दीन ने बताया कि वह नकली सामान विपिन पाठक से लेता था। विपिन बहराइच के दरगाह शरीफ क्षेत्र में अपने गोदाम से यह कारोबार चला रहा था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

सेवा पखवाड़ा के रूप में मनेगा प्रधानमंत्री का जन्मदिन

संवाददाता–देवरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत मनाए जाने व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु मंडल संयोजक सहसंयोजक ब्लॉक संयोजक व शिक्षक एमएलसी के चुनाव के लिए बनाए गए संयोजकों का कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को किया गया। भाजपा के औरा–चौरी स्थित पार्टी कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भूमि विकास बैंक के प्रदेश अध्यक्ष व जिला प्रभारी संत राज यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री का जन्मदिन पखवाड़े के रूप में मनाकर हम सभी भारत के सभी वर्ग के पास पहुंचने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इस पखवाड़े में रक्तदान से स्वच्छता अभियान स्वास्थ्य शिविर प्रबुद्ध संवाद नमो मैराथन संगोष्ठी विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता नमो वन नमो पार्क तथा सांसद खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होगा। रुद्रपुर विधायक जयप्रकाश निषाद ने कहा कि हमारे लिए यह गौरव की बात है कि हम नरेंद्र मोदी जैसे नेता को देख व सुन पा रहे हैं। सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि कुछ लोग देवरिया का माहौल बिगाड़ना चाहते हैं हम उनके मंसूबों को कामयाब नहीं होने देंगे। विधायक दीपक मिश्रा शाका ने कहा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए खुद घर–घर जाकर जनता से व कार्यकर्ताओं से बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने की अपील करेंगे। विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने कहा कि पिछली सरकारों में लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था आज योगी व मोदी की डबल इंजन की सरकार जनता के हित में सारे कार्य कर रही है। संचालन महामंत्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी व अध्यक्षता जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने की। इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष विजय कुमार दुबे, मारकंडे शाही, महेंद्र यादव, विजय बहादुर दुबे, अजय कुमार दुबे, अजय साहब, राजेश मिश्रा, अंकुर राय, रविंद्र किशोर कौशल, अर्चना पांडेय, भारतीय शर्मा, अलका सिंह, गोविंद चौरसिया, राम आशीष मौर्य, बृजेश सिंह, गिरजेश सिंह, रोहित मिश्रा, पुनीत यादव, प्रवीण प्रताप, अनूप राय, मार्कंडेय तिवारी, राधेश्याम शुक्ल, गंगा कुशवाहा, रमाशंकर कुशवाहा, महेश मणि, विक्रम सिंह, सोलंकी, राजेश सिंह, संजय तिवारी, राजेश निषाद आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य आगाज

महापौर ने शुभारंभ करते हुए कहा कि नगर निगम अयोध्या में खेल को बढ़ावा देने का कार्य करता रहेगा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या । रामनगरी अयोध्या जयसिंहपुर कानीगंज में सरोजनी देवी स्मारक परिसर में पांचवीं जनपदीय एवं अंतर्जनपदीय दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ मंगलवार को महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलन व फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।प्रतियोगिता के संयोजक सचिव रमेश कुमार ठेकेदार एवं संयुक्त सचिव पालीवाल उत्तर प्रदेश वॉलीबॉल संघ ने महापौर का स्वागत किया। महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि अयोध्या में खेल प्रतिभाओं को मंच देने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताएं अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नगर निगम खेलों को बढ़ावा देने के लिए सदैव तत्पर रहेगा।

संयोजक रमेश कुमार ठेकेदार ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन पिछले चार वर्षों से किया जा रहा है। इस बार दो दिवसीय आयोजन में समापन अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। जनपदीय स्तर पर विजेता टीम को ह्5000 व उपविजेता को ह्3100 की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी, जबकि अंतर्जनपदीय विजेता को ह्21000 और उपविजेता को ह्15000 का पुरस्कार दिया जाएगा।विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद लल्लू सिंह, महंत रामकुमार दास, महंत संजय दास समेत अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन समारोह में आयोजन सचिव पीयूष कुमार सिंह, संरक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित अनेक खेलप्रेमी मौजूद रहे।

इंटरसिटी एक्सप्रेस का इंजन बोगी से अलग हुआ, बड़ा हादसा टला

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के नूनखार रेलवे स्टेशन पर छपरा–गोरखपुर रेल खंड पर मंगलवार की सुबह बड़ा हादसा टल गया। छपरा से गोरखपुर जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस का कपलिंग खुलने से इंजन बोगी से अलग हो गया। इंजन के बोगी से अलग होते ही यात्रियों में हड़कंप मच गया। मौके पर रेलवे के अधिकारी पहुंच गए है और जांच कर रहे है। छपरा से गोरखपुर जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस 8रू25 बजे नूनखार रेलवे स्टेशन पहुंची। रुकने के बाद जब ट्रेन खुली तो इंजन अलग हो गया और कुछ दूर तक चला गया। जबकि बोगी वही छूट गई। यह देख यात्रियों में हड़कंप मच गया। यात्री बोगी से उतर गए। रेलवे की जानकारी का कहना है कि कपलिंग खुलने से बोगी सेट इंजन अलग हो गया है। आखिर कपलिंग कैसे खुला, इसकी जांच अब रेलवे के अधिकारी व तकनीकी टीम कर रही है। रेलवे के अधिकारी जांच के बाद ही कुछ भी कहने की बात कह रहे हैं। उधर सबसे अधिक परेशान छात्र व सरकारी कर्मचारी नजर आ रहे हैं

भ्रष्टाचार और सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप, जांच की मांग

संवाददाता–देवरिया। समाजवादी पार्टी के युवा संगठनों ने मंगलवार को सुभाष चौक पर लोक निर्माण विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने बैनर और तख्तियां लेकर नारेबाजी की। समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष रणधीर यादव ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। हाल ही में वायरल हुए एक ऑडियो का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इसमें दो बाबू छह सड़कों के फर्जी भुगतान और कमीशन के बंटवारे की बात कर रहे हैं। समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि पीडब्ल्यूडी विभाग में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मिलीभगत से कमीशनखोरी हो रही है। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष खुर्शीद आलम अंसारी ने जल्द जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि कार्रवाई न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। प्रदर्शन में हरिकेवल, धीरज यादव, लारेब रहमान, रामविश्वास यादव समेत कई युवा नेता शामिल रहे। सभी ने सरकार से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की मांग की।

जनपद स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन राम आसारे चौधरी किसान इंटर कॉलेज तिघरा गौसपुर में किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन चिलमा बाजार के प्रधानाचार्य विद्याधर वर्मा एवं जनपद के क्रीड़ा सचिव अमित कुमार यादव ने किया। आयोजक विद्यालय के प्रधानाचार्य राम नारायण चौधरी के नेतृत्व में सभी अतिथियों का बैज लगाकर और माल्यार्पण करके स्वागत किया। मुख्य अतिथि कप्तानगंज विधायिक कविंद्र चौधरी 'अतुल' ने बच्चों को मेडल एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में अलग–अलग वर्ग में कुल 20 टीमों ने प्रतिभाग किया। खेल में सीनियर बालिका संवर्ग में नेशनल इंटर कॉलेज हर्रैया प्रथम तथा रामदास उदय प्रताप इंटर कॉलेज भटपुरवा द्वितीय, जूनियर बालिका संवर्ग में रामदास उदय प्रताप इण्टर कॉलेज भटपुरवा प्रथम तथा नेशनल इंटर कॉलेज हर्रैया द्वितीय, सब जूनियर बालक संवर्ग में पूर्व माध्यमिक विद्यालय तेंनुआ प्रथम तथा आयोजक विद्यालय तिघरा द्वितीय, जूनियर बालक संवर्ग में कृषक इंटर कॉलेज गौर प्रथम, जनता इंटर कॉलेज भादी द्वितीय तथा जनता शिक्षा निकेतन ओडवारा तृतीय, सीनियर बालक संवर्ग में श्री वाल्मीकि इंटर कॉलेज विक्रमजोत प्रथम, आयोजक विद्यालय तिघरा द्वितीय तथा झिनकू लाल त्रिवेणी राम इंटर कॉलेज कलवारीऔर औद्योगिक विकास इंटर कॉलेज बिहरा बाजार संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे।

मुख्य चयनकर्ता की भूमिका में प्रभाकर रंजन ओझा, अजय कुमार वर्मा, प्रदीप त्रिपाठी, छोटेलाल यादव, अमरनाथ मौर्य, आदित्य सिंह रहे तथा मुख्य निर्णायक की भूमिका विवेक श्रीवास्तव, रमेश गुप्ता, हरीश सिंह, बृजेश वर्मा, अरुण कुमार, सुभाष यादव, वेद प्रकाश द्विवेदी ने निभाई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य कृष्ण देव द्विवेदी, आदित्य सिंह,रणविजय सिंह,अमित कुमार आदि उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए शिक्षकों की बैठकः 25 नवंबर को दिल्ली चलो आंदोलन की तैयारी

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा में आल टीचर्स एंप्लॉयीज वेलफेयर एसोसिएशन (अटेवा) ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की। संगठन के जिलाध्यक्ष टीपी सिंह ने कहा कि पुरानी पेंशन शिक्षकों और कर्मचारियों की सेवा का सम्मान है। यह बुढ़ापे में उनकी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

बैठक में 25 नवंबर को दिल्ली में होने वाले इंदिल्ली चलोइ धरने की रणनीति बनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक संरक्षक राजेश्वर प्रजापति ने की। प्रांतीय संगठन मंत्री राजेश जायसवाल ने युवाओं के संकल्प को सराहा। जिलाध्यक्ष टीपी सिंह ने अटेवा को शिक्षकों के लिए मजबूत संगठन बताया।

इस अवसर पर पनियरा ब्लॉक के लिए नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। मोहम्मद अय्यूब अंसारी को अध्यक्ष और राकेश यादव को महामंत्री बनाया गया। सुभाष चंद्र और विद्या सागर को ब्लॉक महामंत्री चुना गया। धर्मेंद्र पाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉ. फूलचंद यादव उपाध्यक्ष और दीपक कश्यप को संगठन मंत्री नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में जिला कोषाध्यक्ष राघवेंद्र गुप्त, शिव प्रताप सिंह, राजेश्वर प्रजापति, विनोद वर्मा, अरविंद पांडेय और सफाई कर्मचारी जिलाध्यक्ष प्रदुम्न सिंह सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने पुरानी पेंशन बहाली के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

कुछ लोग गुंडई के बल पर मंदिर कब्जा करना चाहते हैं –श्रीमद् जगतगुरु अनंताचार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। उत्तर तोताद्रिमठ विभीषणकुंड, अयोध्याधाम के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीमज्जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य महाराज ने मंगलवार को अपने आश्रम पर प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि हमारे मठ में किसी भी तरह का कोई विवाद नही है। जो लोग विवाद उत्पन्न व गुंडई के बल पर मंदिर कब्जा करना चाह रहे हैं। उन्हें श्रीबालदेशिक सोपान ट्रस्ट से पहले ही निकाला जा चुका है। वह हमारे संस्थान में कुछ भी नही हैं। यह ट्रस्ट उत्तर तोताद्रिमठ विभीषणकुंड अयोध्या द्वारा संचालित है। जिसमें कुल सात ट्रस्टीगण हैं। सभी ट्रस्टीगण हमारे साथ हैं। उनका हमें भरपूर सहयोग मिल रहा है। ट्रस्ट के अध्यक्ष की अनुमति से ही ट्रस्टीगण काम कर सकेंगे। वर्तमान में श्रीबालदेशिक सोपान ट्रस्ट का मैं स्वयं अध्यक्ष हूं। उन्होंने कहा कि उत्तर तोताद्रिमठ विभीषणकुंड की स्थापना सन् 1900 में स्वामी बलभद्राचार्य महाराज (बालदेशिक स्वामी) द्वारा की गई थी। जहां 5 जून 1976 से मैं उत्तराधिकारी हूं। उसके बाद 22 अगस्त 2014 को उत्तर तोताद्रिमठ विभीषणकुंड का महंत बनाया गया। तब से मठ का महंत हूं, मंदिर की समस्त व्यवस्था का कुशलतापूर्वक संचालन और देख–रेख कर रहा हूं। मेरे ही मार्गदर्शन, संयोजन और सानिध्यता में मठ में सभी उत्सव, समैया, त्योहार आदि परंपरागत रूप से मनाया जा रहा है। स्वामी अनंताचार्य महाराज ने कहा यह लोग मुझे बार–बार धमकी दे रहे हैं कि मठ कब्जा कर लूंगा।

लेकिन मैं उन लोगों को बता देना चाहता हूं कि उत्तर तोताद्रिमठ विभीषणकुंड किसी की व्यक्तिगत संपत्ति और जागीर नही है। इसके मालिक स्वयं भगवान हैं। जिनका भोग–राग सेवा मठ में निरंतर चल रहा है। इसलिए अनर्गल बातों एवं अफवाहों पर कोई ध्यान न दिया जाये।प्रेसवार्ता में श्रीबालदेशिक सोपान ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी केशव प्रपन्नाचार्य उपनाम केशव नारायण दूबे भी मौजूद रहे।

नेपाल से आने वाले नाला का निरीक्षण

संवाददाता–महराजगंज। डीएम संतोष शर्मा ने नौतनवा ब्लॉक क्षेत्र में नेपाल की पहाड़ियों से आने वाली महाव नाला का निरीक्षण किया। यह नाला भारतीय सीमा क्षेत्र के नौतनवा विकास खंड के कई गांवों से होकर बहती है। डीएम ने खेरहवा दूबे, बरगदवां, हरपुर और देवधट्टी गांवों में नाले के तटबंध का निरीक्षण किया। उन्होंने तटबंध के अनुरक्षण कार्यों की समीक्षा की।

भारत–नेपाल सीमा पर कड़ी निगरानी

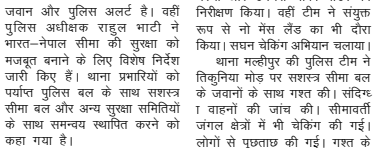

संवाददाता–श्रावस्ती। भारत नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल के जवान और पुलिस अलर्ट है। वहीं पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने भारत–नेपाल सीमा की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। थाना प्रभारियों को पर्याप्त पुलिस बल के साथ सशस्त्र सीमा बल और अन्य सुरक्षा समितियों के साथ समन्वय स्थापित करने को कहा गया है।

वहीं श्रावस्ती जिले के पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोई भी अवांछनीय व्यक्ति भारत की सीमा में प्रवेश न कर पाए। इस आदेश का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है।

थाना सिरसिया की पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने सुइयां, भरथा और डगमरा नाका बॉर्डर का निरीक्षण किया। वहीं टीम ने संयुक्त रूप से नो मेंस लैंड का भी दौरा किया। सघन चेकिंग अभियान चलाया।

थाना मल्हीपुर की पुलिस टीम ने तिकुनिया मोड़ पर सशस्त्र सीमा बल के जवानों के साथ गश्त की। संदिग्ध वाहनों की जांच की। सीमावर्ती जंगल क्षेत्रों में भी चेकिंग की गई। लोगों से पूछताछ की गई। गश्त के दौरान कोई भी संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली। दरअसल यह विशेष अभियान सीमा सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए चलाया गया। श्रावस्ती पुलिस नियमित रूप से ऐसे सुरक्षा अभियान चलाती रहेगी।

विधायक के हस्तक्षेप के बाद बदला एनएच–24 का सर्विस रोड प्लान

संवाददाता–महराजगंज। एनएच–24 फरेंदा के उत्तरी बाईपास फ्लाईओवर के नीचे सर्विस रोड निर्माण को लेकर महीनों से क्षेत्र में असमंजस का माहौल था। डिजाइन की खामियों से दुर्घटना का डर और दिक्कतें बढ़ रही थीं। क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र चौधरी की पहल और लगातार कोशिशों से आखिरकार सभी पक्षों की सहमति से सुरक्षित और सीधे सर्विस रोड का प्रस्ताव तैयार हुआ है। इससे स्कूली बच्चों, अभिभावकों, दुकानदारों और आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। एनएच–24 फरेंदा कस्बे के उत्तरी बाईपास फ्लाईओवर के नीचे बनने वाले सर्विस रोड की डिजाइन रोड काफी ऊंचाई और कई मोड़ों के साथ प्रस्तावित थी, जिससे ट्रैफिक और पैदल चलने वालों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया था।

आए दिन स्कूली बच्चे, अभिभावक, व्यवसायी और स्थानीय नागरिक परेशान रहते थे। इन चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए विधायक वीरेंद्र चौधरी ने एनएचएआई और निर्माण संस्था पीएनसी ग्रुप के अधिकारियों से तीन दिन तक लगातार बातचीत की और समन्वय किया। उन्होंने डिजाइन में आवश्यक बदलाव की मांग की, जिसमें सर्विस रोड को सीधा और कम ऊंचाई पर, सरल मोड़ के साथ बनाने पर सभी पक्षों में सहमति बन गई। इस फैसले से आवागमन न सिर्फ आसान होगा, बल्कि सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी। नई डिजाइन को अंतिम रूप देने में एनएचएआई के सलीम खान, पीएनसी ग्रुप के हर्ष शुक्ला और अनूप की सक्रिय भूमिका रही। समाधान की प्रक्रिया में स्थानीय नागरिकों, नगर पंचायत आनंदनगर के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाशलाल, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष डॉ. रामनारायण चौरसिया, योगेश धर दुबे, हनुमान प्रसाद कनौजिया, सभासद गोरख प्रसाद, विनोद चौधरी, ओमप्रकाश चौधरी, राजेंद्र यादव, अमरनाथ पासवान, रियाज खान, नन्हे खान सहित सैकड़ों लोगों ने विधायक के प्रयास की सराहना करते हुए उनका आभार जताया। कहा कि नई डिजाइन के अनुसार सर्विस सड़क निर्माण के बाद अब आमजन को रोजाना आवागमन में सुगमता मिलेगी और बच्चों को स्कूल पहुंचना सुरक्षित और आसान होगा। फरेंदा व आसपास के नागरिकों के लिए यातायात की समस्या न्यूनतम रहेगी।

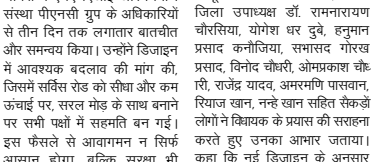

साथी पोर्टल के विरोध में बीज और उर्वरक विक्रेताओं का प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। भारत सरकार के रबी सीजन से लागू किए जा रहे 'साथी पोर्टल के विरोध में गोरखपुर बीज–उर्वरक व्यापारी संघ मंगलवार को दुकानें बंद रखकर विरोध प्रदर्शन किया। जिले के बीज विक्रेताओं के साथ उर्वरक के विक्रेताओं ने शांतिपूर्ण मार्च निकाल कर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संघ के आह्वान पर जनपद की 1188 बीज विक्रेता, 1100 के करीब उर्वरक, 850 के करीब कृषि रक्षा रसायन विक्रेताओं ने समर्थन की घोषणा की है। सभी लाइसेंसी विक्रेता अपनी दुकानें बंद कर मंगलवार की सुबह 10 बजे पंडित गोविंद बल्लभ पंत पार्क में एकत्र हुए। उसके उपरांत वे शांतिपूर्ण मार्च निकाल कर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने निकले।

संघ के अध्यक्ष श्रद्धानंद त्रिपाठी, उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, नवनीत जायसवाल, महामंत्री धर्मात्मा मद्धेशिया, संगठन मंत्री धन्जय सिंह, कोषाध्यक्ष संतोष मौर्य और मीडिया प्रभारी मयंक त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी ने कहा कि साथी पोर्टल के संचालन के लिए कई पेंच है। छोटे व्यापारियों के लिए अत्यधिक जटिल और समय लेने वाला है। इससे उनकी व्यावसायिक गतिविधियों की गति पर सीधा असर पड़ रहा है। आर्थिक बोझ भी पड़ेगा।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
अपील संख्या–1125 / 24
अपीलसंख्या– C202417000001125
धारा 207 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– न्यायालय–श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

ध्रुव चन्द्र
बनाम
दीपक त्रिपाठी आदि

1– दीपक त्रिपाठी पुत्र राजेन्द्र प्रसाद 2– पुष्पा त्रिपाठी पत्नी राजेन्द्र प्रसाद 3– अरविन्द कुमार 4– संजय कुमार पुत्रगण सुरेन्द्र प्रसाद 5– श्रीमती कोकिला देवी पत्नी सुरेन्द्र प्रसाद 6– जनार्दन प्रसाद 7– कृष्ण चन्द्र 8– अशोक कुमार पुत्रगण रामनिरंजन 9– अवधेश कुमार पुत्र त्रियुगी नारायण साकिनान ग्राम बनगडोरी तप्पा मसिना परगना बांसी पूरब तहसील बासी जनपद सिद्धार्थनगर।

विपक्षीगण प्रथम वर्ग

10– माया देवी पत्नी मुनिराम साकिन जमुनी तप्पा असनार 11– कबुला देवी पत्नी रामरक्षा उर्फ रमारक्षा 12– मोतीलाल पुत्र झिनकू (मृतक) जरिये वारिसान 12 / 1 नरेश 12 / 2 महेश 12 / 3 दिनेश 12 / 4 सुरेश पुत्रगण मोतीलाल 12 / 5 सावित्री पत्नी मोतीलाल 13– रामफेर 14– रामराज 15– उदयराज 16– रामकरन 17– गनेश पुत्रगण गंगापाल 18– विनय 19– विपुल पुत्रगण धर्मराज 20– दुर्गावती पत्नी धर्मराज 21– श्रीमती अनसी उर्फ जोखना पत्नी रंजीत (मृतक) जरिये वारिसान 21 / 1 सुरेश 21 / 2 राममिलन 21 / 3 राकेश पुत्रगण रंजीत 22– श्रीमती प्रेमा देवी पत्नी रामकरन 23– कमला प्रसाद पुत्र शिवहरख (मृतक) जरिये वारिसान 23 / 1 कोकिला देवी पत्नी सुरेन्द्र प्रसाद निवासीगण ग्राम बनगडोरी तप्पा मसिना परगना बासी पूरब तहसील बांसी जनपद सिद्धार्थनगर। 24– श्रीमती दुर्गावती पत्नी ज्ञानदास साकिन गौरागढ़ तप्पा मसिना 25– श्रीमती सुखना पत्नी फेकू (मृतक) जरिये वारिसान 25 / 1 द्वारिका 25 / 2 हरिद्वार पुत्रगण फेकू साकिन खिरौहा तप्पा मसिना 26– रवीन्द्र कुमार 27– आलोक कुमार 28– सुधीर कुमार 29– प्रिंस कुमार नाबालिगान पुत्रगण मुनिराम ब बलायत माया देवी माताखुद 30– माया देवी पत्नी मुनिराम निवासीगण ग्राम जमुनी तप्पा असनार 31– श्रीमती हसबुन्निशा पत्नी जैसमुहम्मद साकिन मसिना खास तप्पा मसिना 32– शिवनन्दा देवी पत्नी प्रभुदयाल साकिन खिरौहा तप्पा मसिना 33– दुलारी देवी पत्नी बुधिराम (मृतक) जरिये वारिसान 33 / 1 विनोद 33 / 2 जिन्दल 33 / 3 अनिल 33 / 4 रामनरायन पुत्रगण बुधिराम साकिनान बरहपुर तप्पा मसिना 34– सुनीता पत्नी राकेश कुमार साकिन बनगडोरी तप्पा मसिना 35– आरती देवी पत्नी रामप्रसाद साकिन खिरौहा तप्पा मसिना 36– प्रेमा देवी पत्नी रामकरन साकिन बनगडोरी तप्पा मसिना परगना जात बांसी पूरब तहसील बासी जनपद सिद्धार्थनगर

विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 17–09–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
कं0वाद संख्या D202417140001081
धारा 30 (1) उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– न्यायालय–श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती

बहाऊ
बनाम
सरकार आदि

1. सरकार 2. रामफेरे 3. शिव प्रसाद 4. रामदीन 5. श्यामसुन्दर पुत्रगण भग्गल 6. राजेन्द्र 7. योगेन्द्र पुत्रगण सहजोर 8. बहोरे पुत्र खुखुन 9. सतई पुत्र बचान 10. गोविन्द 11. रविन्द्र पुत्रगण बिहारी लाल 12. श्रीमती लालती पत्नी बिहारी लाल 13. रामपदारथ 14. बाबूराम पुत्रगण रामअचल साकिनान मौजा महरीपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 17–09–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 08 माह 09 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कृषि मंत्री ने अयोध्या के बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा, पीड़ितों का सुना दर्द, बांटी राहत सामग्री

संवाददाता–अयोध्या। प्रदेश के कृषि मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। वह रुदौली तहसील के कैथी माझा गांव पहुंचे, जहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और राहत सामग्री वितरित की। मंत्री ने बाढ़ पीड़ितों को आश्वस्त किया कि भाजपा की योगी सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि सभी प्रभावित परिवारों को राशन किट उपलब्ध कराई जा रही है। इतना अनाज दिया गया है कि 15 से 20 दिन तक उन्हें किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। सिर्फ इंसानों के लिए ही नहीं बल्कि मवेशियों के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। चारा और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मेडिकल टीमों की भी तैनाती की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल इलाज हो सके। इस दौरान डीएम निखिल टीकाराम फुंडे और एसडीएम विकास धर दुबे मौजूद रहे। 14 कोसी और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण की धीमी गति पर बिफरे, अफसरों को लगाई फटकार अयोध्या दौरे पर पहुंचे कृषि मंत्री ने निर्माणाधीन 14 कोसी और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण भी किया। उन्होंने दोनों परिक्रमा मार्गों के निर्माण की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई। इस दौरान निर्देश दिए कि 15 से 20 अक्तूबर तक हर हाल में काम पूरा हो जाना चाहिए। मंत्री ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता है कि आम जनता को किसी भी प्रकार की दिक्कत न झेलनी पड़े।

एल एंड टी व टाटा कंसल्टेंसी का कार्यकाल बढ़ा, अब तक 1400 करोड़ खर्च, 200 करोड़ से बनेंगी गैलरियां

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि में बन रहे भव्य राम मंदिर निर्माण कार्य की धीमी गति को देखते हुए एल एंड टी और टाटा कंसल्टेंसी का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। अब ये दोनों कंपनियां मार्च 2026 तक काम करेंगी। जबकि, पहले इनका कार्यकाल सितंबर 2025 तक तय था। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर के शिखर पर पताका फहराने की तिथि 25 नवंबर प्रस्तावित है। आज होने वाली भवन निर्माण समिति व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में इस पर औपचारिक मुहर लगाई जाएगी। अब तक मंदिर निर्माण पर करीब 1400 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इनमें से 1100 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इसके साथ ही मंदिर परिसर में बनने वाले म्यूजियम की 20 गैलरियों पर लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इन गैलरियों में रामायण काल से लेकर राम मंदिर आंदोलन तक की झलकियां दिखाने की योजना है। मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए अत्याधुनिक उपकरण खरीदे जा चुके हैं। अब इन्हें स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू होगी। सुरक्षा इंतजाम इतने पुख्ता होंगे कि देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को पूरी तरह सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष **2017** अनुक्रमांक **2243803** एवं इण्टर मीडिएट वर्ष **2029** अनुक्रमांक **2360398** का प्रमाणपत्र– सह– अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(शिव कुमार चौधरी)
पुत्र श्री राम सागर चौधरी
ग्राम– बनकसही पोस्ट– ओडवारा
जनपद– बस्ती (उ.प्र.)

अयोध्या दीपोत्सव में बनेगा नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, 26 लाख से अधिक दीपों से जगमगाएगी रामनगरी

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी की जा रही है। पर्यटन विभाग द्वारा सरयू तट, राम की पैड़ी सहित अन्य घाटों पर दीयों की शृंखला से अलौकिक दृश्य प्रस्तुत किया जाएगा। रामनगरी का दीपोत्सव एक बार फिर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेगा। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विभाग की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। अयोध्या में 2017 से भव्य और दिव्य दीपोत्सव मनाया जा रहा है। इसे बरकरार रखते हुए दीपोत्सव में भी सरयू नदी पर सबसे बड़े दीप जलाने व सबसे बड़े आरती समारोह का आयोजन होगा। इस वर्ष 26 लाख से अधिक दीयों के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि दीपोत्सव केवल अयोध्या के सांस्कृतिक वैभव को ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर इसकी पहचान को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दूसरे दीपोत्सव को भव्यता और दिव्यता से मनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। राम की पैड़ी सहित अन्य घाटों पर इस बार 26 लाख से अधिक दीयों को जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। वहीं सरयू तट पर अब तक की सबसे बड़ी आरती का आयोजन भी होगा, जिसमें 1100 से अधिक धर्माचार्य, संत–महात्मा और नगरवासी शामिल होंगे। आयोजन से तीन दिन पहले से स्थल पर तैयारी शुरू होगी। गिनीज मानकों के अनुसार डिजाइन आदि से संबंधित समन्वय स्थापित किया जाएगा। इस दौरान छात्र–स्वयंसेवक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए सहयोग करेंगे।

स्वयंसेवक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के मानकों के अनुरूप दीयों की सजावट, दीये जलाने, गिनती और सत्यापन की जिम्मेदारी निभाएंगे। दीपोत्सव के लिए पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, अवध विश्वविद्यालय और अन्य संस्थाओं के साथ लगातार समन्वय कर रहा है। प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि दीपोत्सव हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को दिखाता है। इस साल अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक भव्य बनाने की तैयारियां की जा रही है।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
उत्तराधिकार प्रा0पत्र सं0 197 / 2025
दलजीत गुप्ता–सायलान

1. दलजीत गुप्ता उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र स्व0 रामसूरत गुप्ता 2. रनजीत गुप्ता उम्र लगभग 39 वर्ष पुत्र स्व0 रामसूरत गुप्ता 3. सिरपाती देवी उम्र लगभग 69 वर्ष पत्नी स्व0 रामसूरत गुप्ता निवासीगण ग्राम बड़ेरिया बुजुर्ग पोस्ट हथियागढ़ तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 15–10–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 15–10–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0 / एफ0टी0 सी0 (CAW)महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण घरेलू हिंसा वाद सं0 364 / 2024
थाना–कलवारी

बिन्दू चौधरी
बनाम
सोनू वर्मा आदि

1. सोनू वर्मा उम्र करीब 31 वर्ष पुत्र प्रेमनाथ वर्मा निवासी ग्राम उमरिया गंगाराम थाना हर्रैया तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
2. प्रेमनाथ वर्मा पुत्र रामदेव निवासी ग्राम उमरिया गंगाराम थाना हर्रैया तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–09–2025

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है / किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 30 मास 09 सन् 2025 को बजे पूर्वान्ह / अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

बिजली की समस्या से आक्रोशित ग्रामीण

संवाददाता–संतकबीरनगर। विकास खंड क्षेत्र के गनवरिया गांव में बिजली की गंभीर समस्या सामने आई है। मंगलवार को दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दो हफ्ते से वे लो वोल्टेज की समस्या से परेशान हैं। गांव का ट्रांसफॉर्मर एक सप्ताह से खराब है। इस कारण बिजली की आपूर्ति बाधित हो रही है। वोल्टेज इतनी कम हो जाती है कि बल्ब तक फ्यूज हो जाते हैं। प्रदर्शन में सुनील कुमार, जगदीश, प्रमोद कुमार, दयाराम, शिवनाथ झा समेत कई ग्रामीण शामिल थे। उनका कहना है कि रोज लाइनमैन को बुलाकर समस्या का समाधान कराया जाता है। लेकिन अगले दिन फिर वही स्थिति हो जाती है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही ट्रांसफॉर्मर नहीं बदला गया तो वे धरना–प्रदर्शन के साथ बड़ा आंदोलन करेंगे। विद्युत विभाग मेंहदावल के अधिशाषी अभियंता पीके गुप्ता ने कहा कि लो वोल्टेज की समस्या के कारणों की जांच अवर अभियंता से कराई जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सरयू नहर में मिला व्यक्ति का शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र में कांटे बुधा कला के पास सरयू नहर से एक शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान पड़ोखर गांव निवासी 55 वर्षीय लालचंद्र के रूप में हुई है।

मंगलवार सुबह करीब 10 बजे एक व्यक्ति प्लास्टिक इकट्ठा करने नहर के पुल पर पहुंचा। उसने शव को देखकर स्थानीय लोगों को सूचित किया। लोगों ने तुरंत कांटे पुलिस को खबर दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नहर से निकाला। मृतक की पैंट की जेब से 200 रुपये और आधार कार्ड मिला। लालचंद्र राम सुभाग के पुत्र थे।

कांटे चौकी प्रभारी राम वशिष्ठ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में लालचंद्र ने नहर के पुल पर शराब पी थी। नशे की हालत में वह पुल से नहर में गिर गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल प्रकीर्ण वाद सं0–208 / 2024
अदालत– श्रीमान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रामबहादुर पाठक
बनाम
बुधिसागर आदि

1. बुधिसागर उम्र लगभग 57 वर्ष 2. राजेन्द्र कुमार उम्र लगभग 47 वर्ष पुत्रगण राम प्रताप पाठक 3. राममणि पाठक उम्र लगभग 72 वर्ष पुत्र रामतीरथ 4. सुनील कुमार उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र राधेश्याम साकिनान मौजा साड़ी तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती वर्तमान पता साकिन मखौड़ा धाम पोस्ट दुफेड़ी तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

रेस्पाण्डेण्ट / प्रतिवादीगण

तारीख पेशी 26–09–2025

अपील बनराजी के अदालत मुकाम
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 26 महीना 09 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय बस्ती जिला–बस्ती
T.A.N0–42 / 2025

रामराज आदि
बनाम
रामतेज आदि

1. रामतेज पुत्र फेरई 2. भीमसेन 3. दिलीप कुमार पुत्रगण मुनेसर 4. कुसुम 5. प्रमिला 6. उर्मिला पुत्रीगण मुनेसर 7. जगदीश पुत्र रामशंकर साकिनान बेमहरी तप्पा मनवरपारा परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 08 माह 09 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–751 / 2024

दिनेश कुमार
बनाम
रामचन्दर आदि

1. रामचन्दर 2. यादराम पुत्रगण भवानीभीख समस्त साकिनान बिहरा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 03–11–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–1357 / 2020

रामचन्दर आदि
बनाम
राजकुमार आदि

1. राजकुमार 2. बाबूराम पुत्रगण राम खेलावन निवासीगण मौजा सिकरी तहसील मनकापुर जिला गोण्डा हाल मुकाम भटहाजंगल तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3. श्रीमती गोमती देवी पत्नी राम प्रताप निवासी मौजा विशुनपुर तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 03–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–270 / 2024

रामचरित्र
बनाम
रमेश आदि

1. रमेश 2. महेश पुत्रगण मनिराम निवासीगण मौजा रामबारी तप्पा उमरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 16–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–41 / 2025

सुभाष आदि
बनाम
श्रीमती माया देवी

1. श्रीमती माया देवी पत्नी गंगाराम यादव साकिन मौजा डड़वालगुनी पो0 गौरा उपाध्याय तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–290 / 2024

श्रीमती निर्मला सिंह
बनाम
तिलकराम

1. तिलकराम पुत्र रामलखन निवासी ग्राम कूढ़ापट्टी पृथी तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 01–11–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com